कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
एम.ए. (समाजशास्त्र) प्रस्तावित पाठ्यक्रम योजना 2022–23
सेमेस्टर प्रणाली
पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क्र.	विषय	सैद्धांतिक अंक		योग
	प्रथम सेमेस्टर	आंतरिक	बाह्य	कुल
1.	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा – I	40	60	100
2	सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र – I	40	60	100
3	भारत में ग्रामीण समाज – I	40	60	100
4	भारत में नगरीय समाज – I	40	60	100
	कुल योग –	160	240	400
	द्वितीय सेमेस्टर			
1.	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा – II	40	60	100
2	सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र – II	40	60	100
3	भारत में ग्रामीण समाज – II	40	60	100
4	भारत में नगरीय समाज – II	40	60	100
	कुल योग –	160	240	400

परीक्षा प्रभारी
क.रू.इ.

प्राचार्य
प्रभारी प्राचार्य
क.रू.इ.
कस्तूरबा ग्राम रुरल इन्स्टीट्यूट
कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

Autonomous Institute
Kasturba Gandhi National
Memorial Trust, K Gram
KASTURBAGRAM INDORE

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यकम 2022–23

कक्षा	–	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा – I
प्रश्न पत्र	–	I

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराओं की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराओं से परिचित कराना।

इकाई प्रथम –

समाजशास्त्र के उद्भव का सामाजिक आर्थिक इतिहास काम्टे का विज्ञानों का संस्तरण, सामाजिक चिन्तन के विकास का संक्षिप्त इतिहास, औद्योगिक क्रांति।

इकाई द्वितीय –

कार्ल मार्क्स, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, विभिन्न युगों की भौतिकवादी व्याख्या।

इकाई तृतीय –

ईमाइल दुर्खीम : बौद्धिक पृष्ठ भूमि, यांत्रिक व सावयवी एकता, बढता हुआ श्रम विभाजन, सामाजिक विघटन औद्योगिक कांति की विरासत के रूप में।

इकाई चतुर्थ –

मेक्सवेबर, बौद्धिक पृष्ठभूमि, आधुनिक पूँजीवाद का विश्लेषण, सत्ता का सिद्धांत, सत्ता और शक्ति, प्रोटेस्टेंट आचार और पूंजीवाद का विकास।

इकाई पंचम –

थर्सटीन वेबलिन – बौद्धिक पृष्ठभूमि, विलासी वर्ग का सिद्धांत, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, आकर्षक उपभोग का सिद्धांत।

Suggested Books –

1- Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi.
2- Nisbet 1966 : The Sociology Tradition, Heinemann Education Books Ltd. London.
3- Zeitinl Lrvin 1981 : Ideology & the Development Sociological Theory, Prentic Hall.

.....

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2022–23

कक्षा	–	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	सामाजिक अनुसंधान का पद्धति शास्त्र – I
प्रश्न पत्र	–	II

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को सामाजिक अनुसंधान की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को सामाजिक अनुसंधान से परिचित करवाना।

इकाई प्रथम –

पद्धति की अवधारणा और पद्धति शास्त्र, अनुसंधान की प्रविधियॉ, सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकृति।

इकाई द्वितीय –

सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान अभिकल्प या परिकल्प (डिजाइन) सामाजिक अनुसंधान के चरण।

इकाई तृतीय –

सामाजिक यथार्थ की प्रकृति एवं उपागम, समाजशास्त्रीय सिद्धांत में पद्धति शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (दृष्टिकोण), सामाजिक अनुसंधान अन्वेषण का तर्क।

इकाई चतुर्थ –

आगमन एवं निगमन तर्क, सिद्धांत निर्माण, विश्वसनीय एवं वैधता, सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व, वस्तुनिष्ठता।

इकाई पंचम –

गुणात्मक अनुसंधान की प्रविधियॉ एवं पद्धतियॉ, सहभागी अवलोकन, नृजातिलेखन साक्षात्कार।

Suggested Books –

1. Scientific Social Surveys and Research : P.V. Young.
2. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी : रविन्द्रनाथ मुकर्जी
3. शोध प्रविधि एवं क्षेत्रीय तकनीकी : डॉ.बी.एम.जैन
4. रिसर्च मैथ्डोलॉजी : डॉ. विरेन्द्र प्रसाद शर्मा
5. समाजशास्त्रीय पद्धतियां : रामजी यादव
6. सामाजिक अनुसंधान : डी.एस. बघेल
7. सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियां : महाजन
8. सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान : डॉ.धर्मवीर महाजन
9. समाजशास्त्रीय अनुसंधान का अर्थ ओर विधियां
10. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी तार्किकता डॉ.आर.त्रिपाठी

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2022–23

कक्षा	–	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	भारत में ग्रामीण समाज – I
प्रश्न पत्र	–	III

सैद्धांतिक अंक – 100
बाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को ग्रामीण समाज की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को ग्रामीण समाज से परिचित करवाना।

इकाई प्रथम –

ग्रामीण समाज का अर्थ, परिभाषा विशेषताएँ, खेतिहर कृषक एवं लोक समाज की अवधारणा एवं विशेषताएं। गाँव की अवधारणा, गाँव के प्रकार, ग्रामीण, नगरीय भिन्नता एवं सातत्य।

इकाई द्वितीय –

ग्रामीण सामाजिक संस्थाएँ – परिवार, धर्म, विवाह, जाति व्यवस्था और इनके बदलते प्रतिमान।

इकाई तृतीय –

ग्रामीण भारत में कृषक संबंध, भू–स्वामित्व और इनके प्रकार। भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेषताएँ एवं तत्व। ग्रामीण वर्ग संरचना जजमानी व्यवस्था, भारत में कृषक आंदोलन।

इकाई चतुर्थ –

ग्रामीण राजनैतिक जीवन – ग्रामीण अभिजात वर्ग एवं नेतृत्व परम्परागत एवं वर्तमान। ग्रामीण भारत में गुट एवं गुटबाजी, भारत में प्रभुजाति, ग्रामीण नेतृत्व के उभरते प्रतिमान एवं विकास।

इकाई पंचम –

ग्रामीण सामाजिक समस्याएँ : ग्रामीण गरीबी, भूमिहीन श्रमिक, अस्पृश्यता, ग्रामीण समाज में प्रवासिता, ग्रामीण शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य।

Suggested Books –

1. Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi.
2. Nisbet 1966 : The Sociology Tradition, Heinemann Education Books Ltd. London.
3. Zeitinl Lrvin 1981 : Ideology & the Development Sociological Theory, Prentic Hall.

कस्तूरबाग्राग रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरवाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2022–23

कक्षा	–	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	–	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	–	भारत में नगरीय समाज – I
प्रश्न पत्र	–	IV

सैद्धांतिक अंक – 100
वाह्य अंक – 60
आंतरिक अंक – 40

उद्देश्य : –

1. छात्राओं को नगरीय समाज की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को नगरीय समाज से परिचित करवाना।

इकाई प्रथम –

नगरीय समाजशास्त्र : नगरीय समाजशास्त्र की अवधारणा, क्षेत्र एवं नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व, नगरीय समुदाय की विशेषताएँ, नगरीय समुदाय में परिवर्तन।

इकाई द्वितीय –

भारत में नगरीय समाज : भारत में नगरीय समुदाय की विशेषताएँ, नगरीयकरण के कारण एवं परिणाम।

इकाई तृतीय –

नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण, भारतीय नगर और विकास, नगरों के विकास के कारण।

इकाई चतुर्थ –

व्यवसाय की अवधारणा, व्यवसाय का विकास एवं परिवर्तित व्यवसायिक संरचना, सामाजिक गतिशीलता, प्रवास।

इकाई पंचम –

नगर नियोजन की अवधारणा, नगर नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में नगरीय प्रबंधकीय समस्याएं।

Suggested Books –

1. Baghel D.S. : Nagriya Samajasastra.
2. Singh B.N. : Nagariya Samajastra
3. Desai A.R. and Pallai S.D. (ed) 1970 : Slums and Urbanization, Popular Pakashan, Bombay.
4. ग्रामीण एवं नगरीय समाजशास्त्र : ओम प्रकाश जोशी
5. नगरीय समाजशास्त्र : गणेश पाण्डेय एवं अरूण पाण्डेय
6. नगरीय समाजशास्त्र के विविध आयाम : सुरेंद्र कुमार शर्मा
7. नगरीय समाजशास्त्र : शारदा तिवारी